खेतिया में श्रद्धा-भक्ति से मनी देवउठनी एकादशी, घर-घर हुआ तुलसी विवाह

गन्ने और फूलों से सजाए गए विवाह मंडप

खेतिया (प्रशांत सिरसाठ)। खेतिया नगर में देवउठनी एकादशी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर के अधिकांश सनातनी परिवारों में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। घरों में तुलसी चौरे को आकर्षक रूप से सजाकर गन्ने, फूलों और दीपों से विवाह मंडप तैयार किए गए। इसके बाद तुलसी माता और भगवान शालिग्राम का विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ विवाह संपन्न कराया गया।

तुलसी विवाह के दौरान घर-आंगन मंगल गीतों और भक्ति भाव से गूंज उठे। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।



पर्व को लेकर महिलाओं और बच्चों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। हिंदू धर्म में देवउठनी एकादशी का विशेष धार्मिक महत्व है। मान्यता के अनुसार आषाढ़ शुक्ल एकादशी से चार माह की योगनिद्रा में गए भगवान विष्णु कार्तिक शुक्ल एकादशी को जागृत होते हैं। इसी के साथ चातुर्मास का समापन होता है और विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्यों का शुभारंभ हो जाता है।

तुलसी विवाह से शुरू होते हैं मांगलिक आयोजनों के शुभ दिन-

देवउठनी एकादशी पर तुलसी माता का विवाह भगवान विष्णु के स्वरूप भगवान शालिग्राम के साथ कराने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। धार्मिक मान्यता है कि तुलसी विवाह संपन्न कराने से घर में सुख-समृद्धि आती है तथा परिवार में सुख, शांति और सौहार्द बना रहता है। नगर में उत्साह और पारंपरिक आस्था के साथ मनाए गए इस पर्व ने घर-घर में भक्तिमय वातावरण बना दिया।

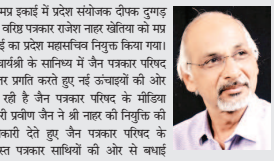
बुधवारा में वर्षों पुराने पीपल के पेड़ को काटा जा रहा, हजारों तोतों का आशियाना उजड़ने का खतरा

आष्टा। बुधवारा में वर्षों पुराना पीपल का विशाल पेड़, जिस पर हजारों मिट्ठू अर्थात तोते अपना बसेरा बनाए हुए हैं,उसे आज रविवार को सुबह से ही काटा जा रहा है। यह पेड़ केवल एक वृक्ष नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में पक्षियों का प्राकृतिक आशियाना है। बताया जाता है कि यह स्थान शासकीय भूमि पर है। ऐसे में नगर पालिका को पेड़ काटने से पहले विचार करना चाहिए और कोई वैकल्पिक व्यवस्था तलाशना चाहिए। यदि यहां चौराहे का विकास करना है, तो पेड़ को सुरक्षित रखते हुए चौक या चौराहे का स्वरूप विकसित किया जा सकता है। पीपल का पुराना वृक्ष पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। विकास जरूरी है, लेकिन प्रकृति और पक्षियों के आशियाने की कीमत पर नहीं। नगर पालिका से आग्रह है कि पेड़ को काटने के बजाय बचाने का विकल्प तलाशे, ताकि हजारों पक्षियों का घर उजड़ने से बच सके।



राजेश नाहर बने प्रदेश महासचिव

खेतिया। परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री विश्वरत्न सागर सूरीश्वर जी महाराज साहेब के पावन सानिध्य एवं आशीर्वाद से जैन पत्रकार परिषद की मप्र इकाई में प्रदेश संयोजक दीपक दुगड़ द्वारा वरिष्ठ पत्रकार राजेश नाहर खेतिया को मप्र इकाई का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया। आचार्यश्री के सानिध्य में जैन पत्रकार परिषद निरंतर प्रगति करते हुए नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रही है जैन पत्रकार परिषद के मीडिया प्रभारी प्रवीण जैन ने श्री नाहर की नियुक्ति की जानकारी देते हुए जैन पत्रकार परिषद के समस्त पत्रकार साथियों की ओर से बधाई प्रेषित की साथ ही बताया कि राजेश नाहर के अनुभव, मार्गदर्शन एवं सक्रिय सहभागिता से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। श्री नाहर की नियुक्ति पर पत्रकार साथियों व नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी। राजेश नाहर ने प्रदेश महासचिव पद पर नियुक्ति को आचार्यश्री का आशिर्वाद बताते हुए शिर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया जैन पत्रकार परिषद के संयोजक दीपक दुगड़ के नेतृत्व में गठन के साथ जैन पत्रकारों के सम्मेलन सफ्लतापूर्वक सम्पन्न हुए हैं। यह संगठन केवल पत्रकारिता तक सीमित न रहकर समग्र जैन समाज के उत्थान, सामाजिक एकता, धर्म-संस्कृति के संरक्षण एवं संपूर्ण राष्ट्र की सेवा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा। आगामी समय में आचार्यश्री के सानिध्य व आशीर्वाद से शीघ्र ही एक सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े जैन साथी जैन पत्रकार परिषद की सदस्यता प्राप्त कर सकते हैं। जैन पत्रकार परिषद शासन द्वारा पंजीकृत संस्था है, जिसमें सदस्यता निःशुल्क है जिसे जैन पत्रकार साथी परिषद के संयोजक को आवश्यक जानकारी देकर सदस्यता प्राप्त कर सकते है।



अजित जैन मित्र मंडल को सेवा कार्यों के लिए सम्मान



बड़वानी। मध्यप्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन बड़वानी शाखा के 9वे स्नेह सम्मेलन में रविवार को सेवा कार्य के लिए अजित जैन मित्र मंडल को सम्मानित किया गया। पेंशनर संघ के अध्यक्ष अनूप जोशी एवं सचिव सीताराम यादव ने बताया कि अजित जैन 1998 से सामाजिक गतिविधियों से जुड़े हैं और उनकी टीम द्वारा पिछले 28 वर्षों में कई सेवा प्रकल्प चल रहे हैं। जिसमें प्रमुख रूप से दोनों कोरोना में की गई सेवाओं महत्वपूर्ण है। वहीं उनकी टीम ने अब तक 253 भटकते हुए आए लोगों को उनके परिजनों से मिलाया। टीम ने 220 बेसहारा लोगों के अंतिम संस्कार किए और प्रतिदिन जरुरतमंदों को दोनों समय भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही रोटरी क्लब बड़वानी के साथ मिलकर 200 नेत्रदान कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। टीम के अशोक मकाती, महादेव दलाल एवं राजा मालवीय को शाल, श्रीफल और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया

30-35 वर्ष बाद खेतिया से नर्मदा परिक्रमा पर श्रद्धालुओं का दल

ओंकारेश्वर में पूजन-संकल्प के बाद शुरू होगी परिक्रमा, नगरवासियों ने ढोल-ताशों के साथ किया भावभीना स्वागत

खेतिया। नगर की सुख-समृद्धि, परिवार एवं क्षेत्र के कल्याण की मंगलकामना को लेकर खेतिया के वरिष्ठ श्रद्धालुओं का दल माँ नर्मदा की पैदल परिक्रमा के लिए रवाना हुआ। बताया जा रहा है कि लगभग 30-35 वर्षों बाद खेतिया नगर से नर्मदा तट के किनारे-किनारे पैदल परिक्रमा के लिए कोई दल निकल रहा है। इससे पूर्व नगर के दो-तीन श्रद्धालु व्यक्तिगत रूप से यह यात्रा कर चुके हैं, लेकिन लंबे अंतराल के बाद सामूहिक रूप से इस तरह की आध्यात्मिक यात्रा का शुभारंभ नगर के लिए विशेष महत्व रखता है।



इस पावन यात्रा में ? मनोकामनेश्वर महादेव मंदिर के प्रमुख एवं सार्वजनिक सुंदरकांड मित्र मंडल के वरिष्ठ सदस्य श्री हेमकांत पाठक, राजस्व विभाग से सेवानिवृत्त पटवारी श्री रामदास बोरसे तथा उनकी सुपुत्री सौ. मनीषा शामिल हैं। यात्रा पर रवाना होने से पूर्व नगर के रवींद्रनाथ टैगोर चौक पर विदाई एवं स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिकों और मित्र मंडल के सदस्यों ने ढोल-ताशों के साथ परिक्रमावासियों का आत्मीय स्वागत किया। वरिष्ठ श्री दिनेश पटेल सर, डॉ. दत्तात्रेय सिरसाठ, किशन एशिकर (अन्ना), एडवोकेट विकास राव शितोले, एडवोकेट कपिल शाह, सुनील पटेल, रामलाल जैन, सुदेश भावसार, जगदीश मोरे, भगवान राठौर, नाना पाटिल, दिवाकर सर, प्रतीक शुक्ला सहित अन्य नागरिकों ने शाल एवं श्रीफल भेंट कर यात्रियों का सम्मान किया तथा मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। यात्रा के प्रथम चरण में श्रद्धालु ओंकारेश्वर पहुंचेंगे, जहां सोमवार को परिवारजनों के साथ ओंकार पर्वत की परिक्रमा करेंगे। इसके पश्चात मंगलवार को माँ नर्मदा का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर परिक्रमा का संकल्प लिया जाएगा। संकल्प के बाद श्री रामदास बोरसे, उनकी सुपुत्री सौ. मनीषा एवं श्री हेमकांत पाठक माँ नर्मदा के तट के किनारे-किनारे पैदल परिक्रमा के लिए प्रस्थान करेंगे। इस अवसर पर विशेष उल्लेखनीय है कि नर्मदा परिक्रमा के लिए आने-जाने वाले यात्रियों के वाहनों को रुकवाकर निःस्वार्थ भाव से चाय-पानी की सेवा करने वाले श्री सुनील पटेल ने यात्रा संबंधी जानकारी साझा की। नगरवासियों ने परिक्रमावासियों की सुरक्षित, निर्विघ्न एवं मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए माँ नर्मदा से सभी के कल्याण का आशीर्वाद मांगा।



पीएम उषा कम्पोनेंट अंतर्गत 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला हुआ समापन

बड़वानी। उच्च शिक्षा विभाग मप्र शासन पीएम उषा अंतर्गत एमपीकान लिमिटेड एवं तन्वी सोशल सर्विस समिति के सहयोग से स्वामी अमूर्तानंद शासकीय महाविद्यालय अंजड़ में छात्राओं के लिए 16 नवम्बर 2026 से आयोजित 6 दिवसीय दो प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शनिवार को प्रभारी प्राचार्य डॉ एमएस मोरी के निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को इंग्लिश स्पीकिंग, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट जिसके प्रभारी प्रो सोनी सोलंकी तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व उसके उपयोग जिसके प्रभारी प्रो बबलू जमरे थे, दोनों विषयों के व्यावहारिक पहलुओं से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अखिलेश राठौड़ ने स्मोकन इंग्लिश प्रशिक्षण के अंतर्गत विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा के बारे में वर्णमाला और विभिन्न प्रकार के शब्दों का उपयोग कैसे करना है। छात्राओं ने बहुत कुछ सीखा और उनमें बोलने का आत्मविश्वास आया। पीएम उषा प्रभारी डॉ सुरेश काग ने दोनों प्रशिक्षक के ट्रेनरस की सराहना की। प्रो सोनी सोलंकी ने बताया कि प्रशिक्षण में 40-40 छात्राओं ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने भी मंच पर प्रशिक्षण में जो भी सीखा उन्होंने अपने अनुभव और प्राप्त ज्ञान को साझा किया। समापन के अवसर पर विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए और श्रेष्ठ रहे विद्यार्थियों को शील्ड देकर प्रोत्साहित किया। साथ ही दोनों प्रशिक्षण प्रभारी को भी शील्ड देकर सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण में महाविद्यालय स्टॉफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भगवान कृष्ण का जन्म हमें सिखाता है कि सत्य, प्रेम, करुणा और धर्म के मार्ग पर चलने वालों की रक्षा स्वयं भगवान करते हैं - पं. नागर

ईंफराज कुरैशी, कुक्षी। श्री अर्धनारेश्वर मंदिर सुसारी में 18 नवंबर से 24 नवंबर तक चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में आज कृष्ण जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भाव से मनाया गया। कथा का समय रात्रि 8 बजे से 11 बजे तक रखा गया है।

कथा भागवत आचार्य पंडित कमलेश जी नागर (नानपुर वाले) के मुखारविंद से संपन्न हो रही है। कथा वाचक ने कृष्ण जन्म का प्रसंग बड़े ही भावपूर्ण ढंग से सुनाया। जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ, पूरा पंडाल "नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" के जयकारों से गूंज उठा और श्रद्धालु भाव-विभोर होकर नाचने लगे। कथा वाचक ने बताया कि जब-जब धरती पर अधर्म बढ़ता है, तब-तब धर्म की रक्षा के लिए भगवान अवतार लेते हैं। द्वापर युग में कंस के अत्याचारों से त्रस्त देवताओं और धरती की पुकार पर भगवान श्रीकृष्ण ने मथुरा के कारागार में देवकी-वसुदेव के



आठवें पुत्र के रूप में जन्म लिया। उन्होंने कहा कि कृष्ण जन्म केवल एक कथा नहीं है, बल्कि यह संदेश है कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा हो, धर्म की ज्योति कभी बुझती नहीं। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हमें सिखाता है कि सत्य, प्रेम, करुणा और धर्म के मार्ग पर चलने वाले की रक्षा स्वयं भगवान करते हैं। श्रीकृष्ण ने अपने जीवन से गीता का संदेश दिया - कर्म करो, फल की चिंता मत करो। इस दौरान कथा वाचक ने अधिक मास के बारे में भी समझाया। उन्होंने कहा कि अधिक मास को पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है, जो भगवान श्रीकृष्ण को अत्यंत प्रिय है। इस मास में किए गए जप, तप, दान, व्रत और भागवत श्रवण का फल कई गुना अधिक मिलता है। अधिक मास में भगवान की भक्ति करने से जीवन के सभी पाप दूर होते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। कृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर भगवान का भव्य श्रृंगार किया गया। नंदोत्सव के साथ ही श्रद्धालुओं ने बधाइयां गाईं और प्रसादी वितरित की गई। इस कथा के कथा संयोजक स्व. भगवती प्रसाद रुखड़ जी गरासिया हैं। मुख्य यजमान कमल गोकुल जी जिराती एवं सह यजमान कमल आत्माराम गरासिया व शेलेन्द्र भुरालाल कुशवाह थे आयोजक श्री अर्धनारेश्वर मंदिर भागवत समिति सुसारी है। प्रतीदिन महाप्रसादी का वितरण किया जा रहा है कथा का समापन 24 नवम्बर को होगा।

सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण कौशल विकास व क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण संपन्न



शाजापुर, निप्र। जिला मुख्यालय स्थित होमगार्ड लाईन में सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों का कौशल विकास एवं क्षमता वृद्धि हेतु 7 दिवसीय प्रशिक्षण कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण डॉ. परिक्षित संजयराव झाड़े के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट विक्रम बी सिंह द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण प्रभारी श्रीमती नम्रता सरावत, कंपनी कमाण्डर ने अपने उद्बोधन में 7 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को प्रदान किए गए प्रशिक्षण का सारांश प्रस्तुत किया। डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट विक्रम बी सिंह ने प्रशिक्षण के जनजीवन में महत्व तथा समाज में सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों की प्राथमिकता एवं कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सामाजिक एवं ग्रामीण परिवेश में स्वयंसेवकों की जवाबदेही, आगामी सिंहस्थ के दौरान उनकी भूमिका एवं सहभागिता तथा आपदा प्रबंधन के समय प्रथम नागरिक के रूप में उनके कर्तव्यों के बारे में बताया। प्रशिक्षण में आपदा के समय की जाने वाली कार्यवाही, मेडिकल फर्स्ट रिस्पॉन्डर, बाढ़ के दौरान सहभागिता, आगजनी की स्थिति में कर्तव्य तथा भीड़ प्रबंधन में भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए कौशल एवं प्रशिक्षण से उनमें आए अनुशासन के संबंध में विचार व्यक्त किए। वार्डन सिविल डिफेंस प्रियांश पाटीदार ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रशिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रशिक्षण में जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के 100 सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के समापन पर कंपनी कमाण्डर श्रीमती नम्रता सरावत द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में सुमित मुजाल्दे, सहायक उप निरीक्षक (अ), सैनिकगण 1044 रजत वर्मा, 1009 रोहित चक्रधर, 124 असलम खान, 1016 रितेश राठौर, 89 शेरसिंह, 1015 मनोहर सिंह, 1205 सकित कुमार एवं 1013 उजैफ अंसारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में बालिका किशोरावस्था कार्यशाला का आयोजन

बड़वानी। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में प्राचार्य कुंदन राठौर के मार्गदर्शन में छात्राओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण एवं किशोरावस्था से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बालिका किशोरावस्था शिक्षा का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यशाला में शिशु एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ चंदन सोनी स्वर्णकार का स्वागत विद्यालय की बालिका एवं कला शिक्षिका आकांक्षा सिंह ने किया।

डॉ चंदन सोनी स्वर्णकार ने छात्राओं को किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों, मासिक धर्म स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों तथा भावनात्मक स्वास्थ्य के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। वहीं विद्यालय की कृति भार्गव, अनायजा फातिमा शेख, रिद्धि गडवाल, समृद्धि यादव ने अपने सवालों का जवाब जानकर जागरूक हुईं। विद्यालय की काउंसलर प्राची राठौड़ ने विशेषज्ञ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छात्राओं के स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़े ऐसी कार्यशालाएं विद्यालय में निरंतर आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि वे जागरूक, आत्मविश्वासी और सशक्त नागरिक बन सकें। कार्यशाला का समन्वयन प्राची राठौड़, शिक्षिका श्वेता पंचोली और नर्स प्रिया जाधव ने किया।

